2. पुनर्वलन उद्योग 74 लाख मी. टन कच्ची सामग्री की खपत करते हैं और 66 लाख मी. टन तैयार इस्पात का उत्पादन करते हैं। आदान-उत्पादन का अनुपात 1:0.9 है।

3. सेल/टिस्को/इस्को आदि के लिए पुनर्वलन इकाइयों द्वारा 8.6 लाख मी. टन तैयार इस्पात का उत्पादन किया गया है जो कुल उत्पादन का लगभग 13 प्रतिशत है।

4. प्रेरण भट्ठी इकाइयों के कच्चे माल के आदान में धीरे-धीरे वृद्धि हो रही है।

5. सरकार और इसकी एजेंसियों, व्यापारियों और अन्यों के लिए तैयार माल की बिक्री क्रमशः 10.1%81.3% और 0.6% है।

6. 15.17 प्रतिशत इकाइयां नई इकाइयां शामिल करना चाहती है।

32.50 प्रतिशत इकाइयां विस्तार करने की इच्छुक है।

18.39 प्रतिशत इकाइयां विविधिकरण करना चाहती हैं।

13.50 प्रतिशत इकाइयां प्रतिस्थापित (कुछ) करना चाहती हैं, और

15.39 प्रतिशत इकाइयां विस्तार के विभिन्न चरणों में हैं।

7. तैयार वस्तुओं की 90 प्रतिशत बिक्री उसी राज्य में होती है जहां उसका उत्पादन होता है।

8. कच्चे माल और तैयार इस्पात की 90 प्रतिशत ढुलाई सड़क मार्ग से होता है।

New Railway Lines/Trains for Gujarat

23. SHRI CHIMANBHAI MEHTA:
SHRI SOM PAL:

Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) whether any new Railway line is going to be laid in Gujarat;

(b) what are the new trains going to be started from now onwards;

(c) whether Veraval-Rajkot broad gauge conversion is going to be undertaken; if so, by when; what are the major aspects of the project report of this railway; and

(d) whether Government would convert the line soon if the necessary finance is made locally available?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI M. MALLIKARJUN): (a) The work on the following projects in Gujarat has already been started:—

(i) Godhra-Dahod-Indore (100 km in Gujarat)

(ii) Kapadvanj-Modasa (60 km)

(iii) Viramgam-Bhildi (40 km new line——117 km conversion)

(b) The following additiona services have been introduced tc serve the State of Gujarat w.e.f 1-7-1991:—

(i) Ahmedabad-Bombay Centra Karnavati Express.

(ii) Wansjaliya-Porbandar Shut tle.

(c) and (d) Western Railway ha been asked to study the possibl alternatives and submit a Surve Report in this regard.